हवा साफ रखने के ठोस उपाय हों

राष्ट्रीय राजधानी की हवा में प्रदूषण के खतरनाक स्तर को देखते हुए दिल्ली सरकार ने जिन चार तात्कालिक कदमों की घोषणा की, वे अत्यंत जरूरी हो गये थे। स्कूल-कॉलेजों को हफ्तेभर के लिए बंद करने, सरकारी और गैर-सरकारी ऑफिसों में वर्क फ्रॉम होम लागू किये जाने और हवा में धूल की मात्रा बढ़ाने वाले निर्माण कार्यों पर अस्थायी रोक लगाने से कुछ राहत तो जरूर मिलेगी। जहां तक लॉकडाउन की बात है, तो सरकार ने इस पर भी कुछ प्रस्ताव तैयार किये हैं, जो सुप्रीम कोर्ट के सामने रखे जाने हैं। अफसोस की बात यह है कि राहत के ये उपाय तब किये गये, जब सुप्रीम कोर्ट ने इसकी जरूरत बतायी। अच्छा होता कि सरकार सुप्रीम कोर्ट के निर्देश से पहले ही सही समय पर इस तरह के कदम उठा लेती। आखिर मौसम विभाग की तरफ से जुटायी गयी सूचनाएं तो पहले से उपलब्ध थीं। पराली का धुआं आने की बात भी पहले से मालूम थी। समय से कदम उठाये जाते तो संभवतः हवा की क्वॉलिटी इतनी खराब न होती। मगर ध्यान में रखने की बात है कि न तो यह सवाल इन चार-पांच दिनों का है और न ही मामला दिल्ली और आसपास के इलाकों तक सीमित है। पिछले कई वर्षों से इस मौसम में दिल्ली की हवा इतनी खराब हो जाती है कि दम घुटता-सा लगने लगता है। उस दबाव में ऑड-ईवन जैसे कदम उठाये जाते हैं, जिनसे तात्कालिक तौर पर कुछ राहत भी मिलती है, लेकिन जैसे ही यह वक्त बीतता है, दूरगामी उपाय मानो एजेंडे से गायब ही हो जाते हैं। महत्वपूर्ण यह भी है कि देश के अन्य हिस्सों में इस दौर में भी हवा का प्रदूषण मुद्दा बनता नहीं दिखता। स्विट्जरलैंड स्थित क्लाइमेट ग्रुप आइक्यूएयर की ओर से करवायी गयी ताजा स्टडी पर नजर डालें तो खराब एयर क्वॉलिटी वाले दुनिया के दस शहरों की सूची में दिल्ली के साथ ही कोलकाता और मुंबई भी शामिल हैं। जाहिर है तात्कालिक संदर्भों में ये महानगर भले दिल्ली से बहुत बेहतर लगें, लेकिन दुनिया के स्तर पर देखा जाये तो हवा की क्वॉलिटी को दुरुस्त करने की जरूरत तो यहां भी है ही। हालांकि ज्यादा बुरा हाल निश्चित रूप से उत्तर भारत के छोटे-छोटे शहरों में है। सेंट्रल पलूशन कंट्रोल बोर्ड के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, पिछले हफ्ते देश के 15 सबसे ज्यादा प्रदूषित हवा वाले शहरों में दस यूपी के पाये गये। इनमें फिरोजाबाद और आगरा भी थे, जहां एक्यूआइ क्रमशः 489 और 472 पाया गया। यानी हालात कमोबेश दिल्ली-एनसीआर जैसे ही बुरे हैं। साफ है कि इस समस्या को राष्ट्रीय स्तर पर और दीर्घकालिक नजरिए से ठोस उपाय अपनाते और जारी रखते हुए ही हल किया जा सकता है।

सेंट्रल पलूशन कंट्रोल बोर्ड के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, पिछले हफ्ते देश के 15 सबसे ज्यादा प्रदूषित हवा वाले शहरों में दस यूपी के पाये गये। इनमें फिरोजाबाद और आगरा भी थे, जहां एक्यूआइ क्रमशः 489 और 472 पाया गया।

अभी पिछले हफ्ते ही दक्षिण की ओर जा रही एक रेलगाड़ी के पांच डिब्बे भूस्खलन के कारण पटरी से उतर गये। प्रभु कृपा से इस अप्रत्याशित दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड में तो भूस्खलन से भीषण तबाही लगातार होती आ रही है। जून 2013 की केदारनाथ की महाप्रलय कोई आज तक भूला नहीं है। पर्वतों पर हुए भारी संख्या में पेड़ों के कटान और बारूद लगा कर लगातार पहाड़ तोड़ने के कारण ये सब हो रहा है। फिर भी न तो हम जाग रहे हैं, न हमारी सरकारें। महत्वपूर्ण बात यह है कि विश्व की सभी पर्वत श्रृंखलाओं में हिमालय सबसे युवा पर्वतमाला है। इसलिए इसके प्रति और भी संवेदनशील रहने की जरूरत है।

हिमालय पर आत्मघाती हमला बंद हो

विनीत नारायण

हाल के वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों में पर्वतों का स्खलन एक भयावह स्तर तक पहुंच चुका है। पहले ऐसी दुर्घटनाएं केवल भारी वर्षा के बाद ही होती थीं, पर आश्चर्यजनक रूप से अब गर्मी में भी होने लग गयी हैं। अभी पिछले हफ्ते ही दक्षिण की ओर जा रही एक रेलगाड़ी के पांच डिब्बे भूस्खलन के कारण पटरी से उतर गये। प्रभु कृपा से इस अप्रत्याशित दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड में तो भूस्खलन से भीषण तबाही लगातार होती आ रही है।

जून 2013 की केदारनाथ की महाप्रलय कोई आज तक भूला नहीं है। पर्वतों पर हुए भारी संख्या में पेड़ों के कटान और बारूद लगा कर लगातार पहाड़ तोड़ने के कारण ये सब हो रहा है। फिर भी न तो हम जाग रहे हैं, न हमारी सरकारें। महत्वपूर्ण बात यह है कि विश्व की सभी पर्वत श्रृंखलाओं में हिमालय सबसे युवा पर्वतमाला है। इसलिए इसके प्रति और भी संवेदनशील रहने की जरूरत है।

बावजूद इन सब अनुभवों के उत्तराखंड में 899 किलोमीटर की प्रस्तावित चार धाम सड़क परियोजना का काम सरकार आगे बढ़ाना चाहती है, जबकि यह परियोजना काफी समय से विवादों में है। पर्यावरण और विकास के बीच टकराव नया नहीं है। आजादी के बाद से सभी सरकारें हमेशा विकास का हवाला देकर पर्यावरण के नुक्सान को अनदेखा करती आयी हैं। इस परियोजना को लेकर देश की रक्षा जरूरतों और पर्यावरण संबंधी चिंताओं के बीच एक गंभीर बहस पैदा हो गयी है। सरकार का कहना है कि देश की सेना हर वक्त बॉर्डर पर तैनात रहती है, इसलिए कठिन परिस्थितियों के चलते सेना का कठिन पहुंच वाले क्षेत्रों तक पहुंचना काफी चुनौतीपूर्ण हो जाता है। इसी के चलते उत्तराखंड में केंद्र सरकार द्वारा ऑल वैदर रोड प्रोजेक्ट को 2016 में शुरू किया गया। बाद में इसका नाम बदल कर चार धाम परियोजना किया गया। इस प्रोजेक्ट में सड़कें चौड़ी करने के लिए अनेक पहाड़ों और हजारों पेड़ों को काटना पड़ेगा। इसीलिए देश के पर्यावरणविद् इस प्रोजेक्ट का कड़ा विरोध कर रहे हैं। फिलहाल यह मामला 2018 से सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। इस फैसले से यह साफ हो जायेगा कि सीमा सुरक्षा के लिए उत्तराखंड में सड़कों को चौड़ा करने की इजाजत मिलेगी या नहीं।

पिछले साल लॉकडाऊन के 15 दिन बाद ही पूरी दुनिया में इस बात पर हर्ष, उत्सुकता और आश्चर्य व्यक्त किया गया था कि अचानक महानगरों के आसमान साफ, नीले दिखने लगे। दशकों बाद रात को तारे टिमटिमाते हुए दिखायी दिये। यमुना निर्मल जल से कल-कल बहने लगी।

कोर्ट में सुनवाई के दौरान सरकार की तरफ से अटॉर्नी जनरल ने यह भी बताया कि इस प्रोजेक्ट से युद्ध की स्थिति में, जरूरत पड़ने पर 42 फुट लंबी ब्रह्मोस जैसी मिसाइल को भी सीमा तक ले जाया जा सकता है। सरकार की मानें तो चीन के साथ बढ़ते तनाव के बीच यह सामरिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण परियोजना है। ऐसे में इस सड़क का पांच मीटर से 10 मीटर चौड़ा होना अनिवार्य है और यदि भूस्खलन होता भी है, तो सेना उससे निपट सकती है। वहीं पर्यावरण के लिए काम करने वाले एक एनजीओ सिटीजंस ऑफ ग्रीन दून ने कहा है कि इस प्रोजेक्ट की वजह से उत्तराखंड की भौगोलिक परिस्थितियों को जबरदस्त नुकसान पहुंचेगा, जिससे भूस्खलन और बाढ़ का खतरा बढ़ जायेगा और वन्य एवं जलीय जीवों को भी नुक्सान पहुंचेगा।

दिल्ली में पिछले शुक्रवार को एयर क्वालिटी इंडेक्स 471 पहुंच गया है।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में 2018 में पर्यावरणविद रवि चोपड़ा के नेतृत्व में एक हाई पॉवर कमेटी बनायी थी। समिति के कुछ सदस्यों के बीच इस बात को लेकर मतभेद थे कि सड़कों को कितने मीटर चौड़ा किया जाये। जांच के बाद जुलाई 2020 में इस कमेटी ने दो रिपोर्टें कोर्ट को सौंपी थीं। एक में कहा गया कि सड़कों को 5.5 मीटर तक चौड़ा किया जा सकता है, जबकि दूसरी रिपोर्ट में सात मीटर तक सड़कें चौड़ी करने की सलाह दी गयी। पर्यावरणविदों की मानें तो सड़क जितनी भी चौड़ी होगी, उसके लिए उतने ही पेड़ काटने, रास्ते खोदने, पहाड़ों में ब्लास्ट करने और मलबा फैंकने की जरूरत पड़ेगी। अब सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से इस विषय में और सुझाव मांगे हैं, जिसके बाद कोर्ट को यह तय करना है कि इस प्रोजेक्ट में सड़क की चौड़ाई बढ़ायी जा सकती है या नहीं। यदि बढ़ायी जा सकती है, तो कितनी।

दरअसल इस तरह के आत्मघाती विकास के पीछे बहुत सारे निहित स्वार्थ कार्य करते हैं, जिनमें राजनेता, अफसर और निर्माण कंपनियां प्रमुख हैं, क्योंकि इनके लिए आर्थिक मुनाफा ही सर्वोच्च प्राथमिकता होता है। जितनी महंगी परियोजना, उतना ही ज्यादा कमीशन। यह कोई नयी बात नहीं है। मुंशी प्रेमचंद अपनी कहानी नमक का दरोगा में इस तथ्य को 100 वर्ष पहले ही रेखांकित कर गये हैं, पर कुछ काम ऐसे होते हैं, जिनमें आर्थिक लाभ की उपेक्षा कर व्यापक जनहित को महत्व देना होता है। पर्यावरण एक ऐसा ही मामला है, जो देश की राजनीतिक सीमाओं के पार जाकर भी मानव समाज को प्रभावित करता है। इसीलिए आजकल ग्लोबल वार्मिंग को लेकर सभी देश चिंतित हैं।

अब देश की राजधानी को ही लें। पिछले हफ्ते दिल्ली में प्रदूषण खतरनाक सीमा तक बढ़ गया। आपातकाल जैसी स्थिति हो गयी। दूसरे देशों में एयर क्वालिटी इंडेक्स 100 पर पहुंचते ही आपातकाल की घोषणा कर दी जाती है। जबकि दिल्ली में पिछले शुक्रवार को एयर क्वालिटी इंडेक्स 471 पहुंच गया। अस्पतालों में सांस के मरीजों की संख्या अचानक बढ़ने लगी। बच्चों और बुजुर्गों के लिए खतरा ज्यादा हो गया।

पिछले साल लॉकडाऊन के 15 दिन बाद ही पूरी दुनिया में इस बात पर हर्ष, उत्सुकता और आश्चर्य व्यक्त किया गया था कि अचानक महानगरों के आसमान साफ, नीले दिखने लगे। दशकों बाद रात को तारे टिमटिमाते हुए दिखायी दिये। यमुना निर्मल जल से कल-कल बहने लगी। जालंधर से ही हिमालय की पर्वत श्रृंखला दिखने लगी। वायुमंडल इतना साफ हो गया कि सांस लेने में भी मजा आने लगा। अचानक शहरों में सैंकड़ों तरह के परिंदे मंडराने लगे। तब लगा कि हम पर्यावरण की तरफ से कितने लापरवाह हो गए थे, जो कोविड ने हमें बताया। उम्मीद जगी थी कि अब भविष्य में दुनिया संभल कर चलेगी, पर जिस तरह चार धाम को जोड़ने वाली सड़क को लेकर सरकार का दुराग्रह है और जिस तरह हम सब अपने परिवेश के प्रति फिर से लापरवाह हो गये हैं, उससे तो नहीं लगता कि हमने कोविड के अनुभव से कोई सबक सीखा।

जमशेदपुर की खबरें

जनजातीय समुदाय के सशक्तिकरण में मोदी का योगदान अव्वल : रघुवर

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। जन जातीय समुदायों के सशक्तिकरण के लिए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने अब तक जो कदम उठाये हैं वह ऐतिहासिक और अभिनंदनीय है। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जन जातीय गौरव दिवस के तौर पर घोषित करना जन जातीय समुदाय के प्रति प्रधानमंत्री के अद्वितीय प्रेम को दशार्ता है। यह बात राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवर दास ने कही है।

श्री दास बिरसानगर के संडे मार्केट में स्थित भगवान बिरसा मुंडा की मूर्ति एवं गुडिया मैदान के सिदो-कान्हू की मूर्ति पर माल्यार्पण करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आजादी के 70 वर्ष बाद भी जन जातीय समुदायों के स्वतंत्रता सेनानियों की घोर उपेक्षा की गयी। उनके सम्मान, अधिकार और विकास की दिशा में अपेक्षित

कदम नहीं उठाये गये। इसके विपरीत केंद्र की मोदी सरकार तथा झारखंड की भाजपा सरकार के कार्यकाल में जन जातीय समुदायों के मान-सम्मान के लिए ढेर सारे कार्य किये गये। मेरे मुख्यमंत्रित्व काल में 11 अक्टूबर 2018 में 142 करोड़ की लागत से जो उल्लेखनीय कार्य किए गये उनमें भगवान बिरसा मुंडा के साथ झारखंड के अन्य स्वतंत्रता सेनानियों की विशाल मूर्तियों का निर्माण शामिल है। इसी कड़ी में भगवान बिरसा मुंडा ने कारागार के जिस कमरे में अंतिम समय बीताया था उसे विशेष स्वरूप दिया गया। आजादी के अमृत महोत्सव की कड़ी में हमारे प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सोमवार को झारखंड में भगवान बिरसा मुंडा संग्रहालय का उद्घाटन कर स्वतंत्रता संग्राम में जन जातीय समुदाय के योगदान को नमन किया है। इस माल्यार्पण कार्यक्रम का आयोजन जमशेदपुर महानगर भाजपा के तत्वावधान में किया गया था। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष गुंजन यादव, पूर्व अध्यक्ष रामबाबू तिवारी, चंद्रशेखर मिश्रा, दिनेश कुमार, महानगर भाजपा के पदाधिकारी राकेश सिंह, सुधांशु ओझा, पप्पू सिंह, जितेंद्र राय, मंजीत सिंह, मोर्चा अध्यक्ष अजित कालिंदी एवं ज्योति अधिकारी, मंडल अध्यक्ष बबलू गोप, हेमंत सिंह, दीपक झा, सुरेश शर्मा के अलावा भुपेंद्र सिंह, कुलवंत सिंह बंटी, काजू सांडिल, रमेश नाग एवं बिमल बैठा आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

पासवा का शिक्षक सम्मान समारोह आज

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। प्राइवेट स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन पासवा झारखंड की ओर से जमशेदपुर में 16 नवंबर को शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा हैं। कोल्हान प्रमंडल के तीनों प्रमंडलों पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां जिले के 500 से अधिक शिक्षकों को सम्मानित किया जायेगा।

शिक्षक सम्मान समारोह में शामिल होने के लिए पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शमायल अहमद सोमवार को झारखंड पहुंचे। राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ साथ पासवा के पांच राज्यों के प्रतिनिधि भी इस समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। आंध्रप्रदेश की पासवा महासचिव

वंजना नायडू,तेलांगना के प्रदेश अध्यक्ष एसएन रेड्डी, महासचिव एसआर राचामला, तमिलनाडु के सचिव बिलाल नट्टर, जम्मूकश्मीर के प्रवक्ता अशरफ बाबा पीरजादा, श्रीनगर के जोनल सेक्रेटरी बशीर अहमद, पश्चिम बंगाल की महासचिव मशुदा याशमीन रांची एअरपोर्ट से जमशेदपुर के लिए प्रस्थान कर गये। पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शमायल अहमद के रांची पहुंचने पर पार्टी पदाधिकारियों ने उनका एयरपोर्ट पर स्वागत किया। पासवा के प्रदेश उपाध्यक्ष लाल किशोर नाथ शाहदेव एवं महासचिव डॉ राजेश गुप्ता छोटू ने इस मौके पर सैयद शमायल अहमद एवं देश के कोने कोने से आये हुए पदाधिकारियों का स्वागत किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष शमायल अहमद ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि जिस तरह से 17 महीने में कोरोना संक्रमण काल में शिक्षकों ने कोरोना वारियर्स के रूप में ऑनलाइन माध्यम से बच्चों को पढ़ाने का काम किया, उसकी जितनी भी सराहना की जाये, वह कम होगी। इसलिए पासवा की ओर से ऐसे शिक्षकों के लिए देशभर में सम्मान समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया है। शमायल अहमद रांची से सड़क मार्ग से जमशेदपुर के लिए रवाना हुए। जमशेदपुर के संत माइकल जॉन सभागार में आयोजित होने वाले शिक्षक सम्मान समारोह की सारी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गयी है। आलोक कुमार दुबे ने बताया कि समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य के वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव शिक्षकों को सम्मानित करेंगे। उन्होंने बताया कि समारोह में तीन प्रस्ताव भी पारित कर मुख्यमंत्री के पास क्रियान्वयन का आग्रह किया जायेगा।

स्क्रैप कारोबारी पर हमले का खुलासा, छह अपराधी गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। सरायकेला खरसावां जिले के आदित्यपुर में छठ पूजा के दिन अर्ध्य देकर लौट रहे स्क्रैप कारोबारी विक्की नंदी पर व गाड़ी पर अपराधियों ने पहले बोतल बम से हमला किया था। उसके बाद कई राउंड गोलियां चलाई थी। हालांकि इस हमले में विक्की नंदी बाल- बाल बच गया था। उसे हल्की- फुल्की चोटें आयीं थी। इस दौरान एक युवती भी घायल हुई थी। इस मामले में पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए अपराधी बबलू दास को हिरासत में लेकर पूछताछ करने के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर सभी छह अपराधकर्मियों को गिरफ्तार कर लिया। घटना का कारण कारोबार ने प्रतिस्पर्धा बताई जा रही है।

सोमवार को पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए छह अपराधकर्मियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तार अपराधकर्मियों में आदित्यपुर बेल्डीह बस्ती निवासी बबलू दास, सालडीह बस्ती के भट्टा लोहार उर्फ राजू लोहार, जमशेदपुर के बागबेड़ा निवासी आकाश कोतवाल उर्फ आकाश पात्रो, बागबेड़ा के सोनू वर्मा उर्फ बच्चा वर्मा, आदित्यपुर सतवहिनी का राजू हेस्सा सहित आदित्यपुर बेल्डीह बस्ती के मोतीलाल बिसोइ शामिल है। आरोपियों के पास से एक पिस्टल, तीन जिंदा कारतूस, एक बाइक, एक चाकू, एक लोहे का सब्बल, दो पेचकस और चार मोबाईल पुलिस ने बरामद कर लिया हैं। सभी अभियुक्तों का पूर्व में आपराधिक इतिहास रहा है।

साहस और शौर्य के प्रतीक भगवान बिरसा मुंडा हमारे प्रेरणा स्त्रोत : काले

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। स्वतंत्रता संग्राम के महान क्रांतिकारी धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 146वीं जयंती पर नमन परिवार द्वारा कार्यालय में उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर एवं माल्यार्पण करके श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। इस अवसर पर संस्थापक अमरप्रीत सिंह काले ने श्रद्धा सुमन अर्पित करके कहा कि आजादी की जंग के महानायक, धर्म और संस्कृति के महारक्षक, साहस और शौर्य के प्रतीक अमर बलिदानी बिरसा मुंडा जी हमारे प्रेरणा स्त्रोत हैं। आज जब हम भगवान बिरसा मुंडा की 146वीं जयंती मना रहे हैं तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्र सरकार के निर्णय पर झारखंड की धरती पर जन्मे भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय

गौरव दिवस के रूप मनाया जा रहा है। इस फैसले से राष्ट्र पटल पर झारखंड की धरती एवं आदिवासियत को सम्मान मिलेगा। इस मौके पर नमन संस्था के वरिष्ठ सदस्य रामकेवल मिश्रा और नमन संस्था के मुख्य संयोजक राजीव कुमार, जूगुन पांडेय, घनश्याम भिरभिरिया ने भगवान बिरसा मुंडा को नमन किया। इस कार्यक्रम में लख्खी कौर, कमलजीत कौर, अखिलेश पांडेय, संदीप सिंह,अशरफ अली अंसारी, शेखर मुखी, दीपक सिंह, संतोष यादव, विकास गुप्ता, मनोज हलदर, शुरू पात्रों, विक्की तारवे, राहुल दुर्गे, सूरज बाग, कार्तिक जुमानी, सूरज चौबे, रामा राव, प्रशनजीत, राकेश एवं अन्य सदस्यों ने सम्मिलित होकर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

नेशनल फेम फेस अवॉर्ड का खिताब जीत कर राना लिंकन दास ने दिया अपने दादा को ट्रिब्यूट

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। जमशेदपुर की टेल्को कॉलोनी से निकले राना लिंकन दास आज पूरे इंडिया में मशहूर हो गये है। हाल ही में दिल्ली में 30 अक्टूबर को इंटरनेशन फेम अवाड्र्स 2021 शो हुआ जिसमे सोनू सूद सेलिब्रिटी गेस्ट थे, राना ने इसी अवॉर्ड फंक्शन को पार्टिसिपेट किया और उसमे उन्हें बेस्ट डेब्यूट का खिताब मिला। राना को यह अवॉर्ड उनके मेहनत के दम पर मिला है, जिसे सोनू सूद ने खुद अपने हाथो से दिया। शो में और भी काफी कंटेस्टेंट थे पर यह अवॉर्ड राना ने अपने टैलेंट और

अपनी ऑडियंस के सपोर्ट से अपने नाम पर कर लिया। उसके बाद आठ नवंबर को हुए नेशनल अचीवर्स अवॉर्ड 2021 में राना को बेस्ट फैशन फेस ऑफ द ईयर का खिताब मिला, जो को उन्हे टीवी सेलिब्रिटी हीना खान ने अपने हाथो से दिया।

राना ने अपनी स्कूल की पढ़ाई जमशेदपुर से पूरी की है और उन्हें जमशेदपुर से काफी लगाव भी है, अपने कैरियर और पैशन फॉलो करने की चाह ने आज उन्हें दुनियाभर में फेमस कर दिया है। राना आज एक सक्सेसफुल सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर है और खिताब जीतने के बाद राना ने अवॉर्ड को सोशल मीडिया के माध्यम से उनके दादाजी डॉ डेविड जॉन लिंकन को ट्रिब्यूट दिया।